कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
खण्ड कार्यालय, उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण), रायबरेली,
प्लाट नं0–बी–26/63, मकान नं0–537, आनन्द नगर, रायबरेली–229001
E-mail :- ee_kk_upjn.ra1@yahoo.com

पत्रांक : 844 / M-20 /65 दिनांक 27/4/2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषय :– ई– समाचार पत्र दैनिक भास्कर, रायबरेली दिनांक 28.04.2026 को प्रकाशित ''ग्रामीणों का आरोप, न टंकी बनी न पाइपलाइन बिछी, पेयजल संकट गहराया' के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक ई– समाचार पत्र दैनिक भास्कर, रायबरेली दिनांक 28.04.2026 को प्रकाशित ''ग्रामीणों का आरोप, न टंकी बनी न पाइपलाइन बिछी, पेयजल संकट गहराया' शीर्षक का सन्दर्भ ग्रहण करने की कृपा करें, जिसकी आख्या निम्नवत् है:–

प्रकाशित खबर	आख्या
रायबरेली जिले के छतोह ब्लॉक की कुंवर मऊ ग्राम सभा में केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत गांव में न तो पानी की टंकी बन पाई है और न ही घर–घर पाइपलाइन बिछाई गई है, जिससे वे गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, कुंवर मऊ ग्राम सभा में पेयजल संकट दूर करने के लिए टंकी निर्माण और पाइपलाइन बिछाने की योजना स्वीकृत की गई थी। इसके लिए गांव में स्थान भी चिन्हित किया गया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जिस स्थान पर पानी की टंकी बननी थी, वहां वर्तमान में गौशाला का भूसा रखवाया जा रहा है। यह स्थिति योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही को दर्शाती है। गांव के लोगों का कहना है कि गर्मियों का मौसम शुरू होते ही पेयजल की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। कई जगहों पर हैंडपंप और कुएं भी जवाब देने लगे हैं। ऐसे में जल जीवन मिशन योजना से ग्रामीणों को घर–घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने की बड़ी उम्मीद थी, जो अब तक पूरी नहीं हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि जब इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बजट न होने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया। अधिकारियों के इस जवाब से ग्रामीणों में और भी नाराजगी बढ़ गई है। उनका कहना है कि यदि योजना स्वीकृत हो चुकी है, तो बजट के अभाव का बहाना बनाकर काम रोकना समझ से परे है। गांव की महिलाओं और अन्य ग्रामीणों का कहना है कि पानी की समस्या के कारण उन्हें रोजाना दूर–दूर तक पानी लाने के लिए जाना पड़ता है। गर्मी बढ़ने के साथ यह समस्या और विकराल होती जा रही है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ न मिलना ग्रामीणों के लिए बड़ी निराशा का कारण बना हुआ है। इस संबंध में ग्राम प्रधान राजा राम ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत गांव में जल्द ही कार्य संपन्न किया जाएगा।	उक्त के संदर्भ में अवगत कराना है कि विकासखंड छतोह की कुंवरमऊ ग्राम पंचायत में पूर्व से निर्मित कुंवरमऊ पेयजल योजना की अधिवर्षता आयु पूर्ण होने के उपरान्त कुंवरमऊ पेयजल योजना को जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पुर्नगठन हेतु कुंवरमऊ पुर्नगठन ग्राम समूह पेयजल योजना का निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। योजना के अंतर्गत 04 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 04 नग ट्यूबवेल का कार्य पूर्ण, 04 नग पम्प हाउस के सापेक्ष 01 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण, वितरण प्रणाली 24.94 कि0मी0 के सापेक्ष 14.70 कि0मी0 बिछायी जा चुकी है। 02 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य कराया जाना एवं 04 नग सोलर अधिष्ठापन का कार्य कराया जाना अवशेष है। वर्तमान में उक्त पेयजल योजना पर धन अभाव होने के कारण लम्बित है। उक्त पेयजल योजना के परिसर में सम्बन्धित ग्राम प्रधान द्वारा गौशाला का भूसा अस्थाई रूप से एकत्रित करवाया गया है। ग्राम प्रधान से समन्वय स्थापित करते हुए पेयजल परिसर में एकत्रित भूसे को हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के समस्त कार्य माह दिसम्बर 2028 तक पूर्ण कराने हेतु समयावद्धि प्रदान की है। अतः उक्त पेयजल योजना पर समस्त कार्य निर्धारित अवधि के भीतर पूर्ण कराते हुए जलापूर्ति सुचारू रूप से प्रारम्भ करा दिया जाना लक्षित है।

संलग्नक–पेपर कटिंग

भवदीय

(एस रहमान)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
2. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।

अधिशासी अभियन्ता

ग्रामीणों का आरोप, न टंकी बनी न पाइपलाइन बिछी; पेयजल संकट गहराया

अनूप मिश्रा | अशरफपुर (रालोन), रायबरेली

रायबरेली जिले के छतोह ब्लॉक की कुंवर मऊ ग्राम सभा में केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत गांव में न तो पानी की टंकी बन पाई है और न ही घर-घर पाइपलाइन बिछाई गई है, जिससे वे गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, कुंवर मऊ ग्राम सभा में पेयजल संकट दूर करने के लिए टंकी निर्माण और पाइपलाइन बिछाने की योजना स्वीकृत की गई थी। इसके लिए गांव में स्थान भी चिन्हित किया गया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है।

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जिस स्थान पर पानी की टंकी बननी थी, वहां वर्तमान में गौशाला का भूसा रखवाया जा रहा है। यह स्थिति योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही को दर्शाती है।

गांव के लोगों का कहना है कि गर्मियों का मौसम शुरू होते ही पेयजल की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। कई जगहों पर हैंडपंप और कुएं भी जवाब देने लगे हैं। ऐसे में जल जीवन मिशन योजना से ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने की बड़ी उम्मीद थी, जो अब तक पूरी नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि जब इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बजट न होने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया। अधिकारियों के इस जवाब से ग्रामीणों में और भी नाराजगी बढ़ गई है। उनका कहना है कि यदि योजना स्वीकृत हो चुकी है, तो बजट के अभाव का बहाना बनाकर काम रोकना समझ से परे है।

गांव की महिलाओं और अन्य ग्रामीणों का कहना है कि पानी की समस्या के कारण उन्हें रोजाना दूर-दूर तक पानी लाने के लिए जाना पड़ता है। गर्मी बढ़ने के साथ यह समस्या और विकराल होती जा रही है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ न मिलना ग्रामीणों के लिए बड़ी निराशा का कारण बना हुआ है।

इस संबंध में ग्राम प्रधान राजा राम ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत गांव में जल्द ही कार्य संपन्न किया जाएगा।